एवं विनायकं चैव विष्णुनायकं [illegible] सर्वसर्वेषां विघ्नं प्राणा-
[illegible] || प्राणायामे [illegible] भवतु [illegible] प्राणायामं ||

ब्रह्मा ऋषिः गायत्रं छन्दः विष्णुर्देवता प्राणायामे विनि-
योगः || तद्विष्णोः ० ३ || [illegible] || ततः प्राणा-
[illegible] || [illegible] ऋषिः [illegible] छन्दः विष्णु-
र्देवता देहे विनियोगः || इदं विष्णुर्विचक्रमे ० १० ० ३ ||
ततो [illegible] || प्रणवादि ||
[illegible] तद्विष्णोः || इदं विष्णुः || [illegible]
[illegible] ० ० ० || [illegible]
[illegible] || [illegible] ||

ॐ कूर्मचक्र· शिकूर्मं ग्रन्थावक्र॥ उत्तरचक्रे नम:॥ स्वरूपेण थे व
शिष्ट॥ ध्यानं॥ विश्वभीत· वषट्कृतावक्र॥ धूपनादि॥ स्वेतस
दा:॥ तन्त्रिषट्कं॥ स्वतन्त्रिषट्कं॥ दत्तुपतदेव॥ वामस्वरवाय·३॥
भद्रभूमीश्वर॥ ०२॥ नाम्नि भक्तिरूपाय गन्धाय· ०३॥
सर्वत्र स्वरवन्दे:॥ पादुकायत्तर्वस्वरवन्दे:॥ ॐ कूर्मचक्र·॥

कू· शिकूर्मं ग्रन्थावक्र॥ उत्तमुष्य भौ॥ स्वबन्धनं भस्तुके भल्ल॥ कु

उ· द्वैते· समस्तं तत्तद्वृत्तनिमित्तं शकारस्थापमध्ये वामनिमित्तं

०० द्वास्थाने वृत्तस्थापनानिमित्तं गन्धपात्र:· वामस्वर·३॥

नक्षत्राणि अभिजित: नक्षत्रे: ०३ धाम्नायत्र नमेवता: [illegible]
[illegible] [illegible] अभिज्ञ [illegible] श्रीयज्ञं श्रीतान्यानु॥
तेते विष्णु धाम्नकर्मा॥ [illegible] ॥ ततः [illegible] :
तावन्तः [illegible] वन्नावता॥ वातरमता [illegible] ॥
[illegible] ॥ तते यवतिलैकम:॥ गायत्री
ब्रह्म॥ [illegible] ॥ ऋग्वेदं॰ यवसुतावता॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ३॥ [illegible]
[illegible] कर्मा॥ [illegible] ॥ [illegible] : श्रीयज्ञं [illegible]॥

भस्मसीष्ठ.०७ ॥ मन्त्रिणी भक्तित्राय न पूज्य.०४॥ ततो विष्णु
वृषभक्तानि नाग्न्यासन्ता॥ ततोऽग्नितस्मिंस्तता:॥ धान्यायतनं उद्‌यं॥
[illegible]:॥ ८ ऊर्ध्वतानि अग्नावाग्न्यावस्ता॥ उद्‌यंभा॥
नवमूलभक्तानि॥ [illegible]॥ उद्‌यं॥ उदयान्तु.॥ [illegible]
कृ. समभी नक्षत्र. [illegible]. [illegible]
उ. पव. [illegible]. [illegible] भक्त॥ ततो [illegible]॥
०४ उद्‌यंभा॥ [illegible]॥ उद्‌यंभा॥ याग[illegible]:॥ उद्‌यं॥
[illegible]:॥ [illegible]॥ [illegible].॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ सोत्तमरणिः ॥ ॐ भूतिभाक्कलसभर्गूर्ल्लाम्भिकरंतु
दाता ॥ ॐ भ्रुः भ्रूफं विसर्ज्ज ॰ १ ॥ ॐ ब्रह्मविष्णु १ ॥ ॐ नमो
भूतनाथाय १ ॥ भवागाघटः ॥ [illegible] ॥ [illegible] ३
[illegible] ॥ १० ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥
[illegible] नमः ॥

[illegible] ३० १
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] ॥ ८

[illegible] ॥ १० ॥ कार्त्तिके
[illegible] विष्णुः [illegible]
[illegible] ॥ ११ ॥ एवं [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ८
[illegible]
[illegible]
०५ [illegible] ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

पक्ष्मलाक्षि तृप्तिर्मिति गन्त्वा विसर्जयः अग्निमायातु ते भवे
ह्यागच्छन्तु ह्यापवान्तु ते ॥ स्वधा नमः ॥ पितापितामहस्त्वं
तृप्तेव प्रपितामहः मातापितामहीस्त्वं तृप्तेव प्रपिता
मही अग्निमायातु ते भवे ह्यागच्छन्तु ह्यापवान्तु ते ॥ माता
महः परस्त्वं च प्रमातामहस्तथा मातामही प्रपवामु
पवृद्धप्रमाता तृप्तेवम ॥ अग्निमायातु ॥ स्वधा स्वः स्वधा गुरु
पत्नी [illegible] ॥ यमस्तु तुष्टाः स्वलोके
नित्य [illegible] तृतीयोऽध्याः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆤𑆩𑆂 𑆮𑆴𑆰𑇀𑆟𑆮𑆼 𑆤𑆩𑆂 [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible] 𑆤𑆩𑆂 [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] 𑆤𑆩𑆂 [illegible] ॥ [illegible]